प्रेस विज्ञप्ति

समतामूलक समाज के निर्माण के लिए महिलाएं आगे आएँ... श्रीमती शताब्दी पाण्डे

रायपुर, ८ मार्च: : छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार सरंक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती शताब्दी पाण्डे ने कहा कि वर्तमान समय समाज में जो भय और असुरक्षा का वातावरण दिखाई दे रहा है, उसे दूर करने और समाज को सही दिशा देने के लिए ब्रह्माकुमारी जैसे संगठन की जरूरत है। बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ का नारा तो ठीक है किन्तु इसके साथ ही यह भी जोडऩे की जरूरत है कि बेटों को समझाओ ताकि वह नारी का सम्मान करे। इससे ही हम समाज में हम समतामूलक विचारधारा का निर्माण कर सकेंगे।

श्रीमती शताब्दी पाण्डे अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा चौबे कालोनी में आयोजित महिला जागृति आध्यात्मिक सम्मेलन में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को अपने खुद की रक्षा करने के लिए सक्षम बनाने की जरूरत है। साथ ही अपने परिवार में बेटे और बेटियों के साथ बिना किसी भेदभाव के समान रूप से व्यवहार करना होगा। बेटों को बचपन से ही नारी जाति का सम्मान करना सिखलाना चाहिए। यह हम महिलाओं पर बहुत बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी है। लडक़ों पर ज्यादा और लड़कियों पर कम ध्यान दें यह उचित नहीं है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संगठन की क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी कमला दीदी ने कहा कि आदि काल से जब महिला आध्यात्मिक शक्ति से सम्पन्न थी तब नारी की पूजा होती थी। मनुष्य शक्ति मांगने के लिए दुर्गा या अन्य देवियों के पास जाते हैं, किसी को धन चाहिए तो लक्ष्मी के पास जाते हैं, बुद्घि चाहिए तो सरस्वती की अराधना करते हैं, इस प्रकार नारी की अनेक रूपों में पूजा अराधना करते हैं। किन्तु आज की नारी अध्यात्म से दूर होने के फलस्वरूप पूज्यनीय नही रही। भैतिक दृष्टिï से नारी ने बहुत तरक्की की है किन्तु आध्यात्मिकता से वह दूर हो गई है। अत: वर्तमान समय महिलाओं में आध्यात्मिक जागृति की बहुत आवश्यकता है।

संसदीय सचिव श्रीमती सुनीति राठिया ने कहा कि महिलाएं ममता का खजाना होती हैं। बच्चों में अच्दे संस्कार विकसित करना माँ की जिम्मेदारी होती है। नारी पुरूष से किसी भी दृष्टिï से कमजोर नही है। कुशलता और बुद्घिमत्ता के साथ-साथ साहस और शौर्य के क्षेत्र में भी महिलाओं ने अपनी महत्ता साबित की है। अब यह जरूरी हो गया है कि महिलाओं के प्रति समाज का दृष्टिïकोण बदले।

पं. जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल शासकीय मेडिकल कालेज की डीन डॉ. आभा सिंह ने कहा कि जब तक नारी का अस्तित्व है तब तक दुनिया का भी अस्तित्व है। हमें नारी सुरक्षा के लिए समाज में निर्भयता का वातावरण बनाना होगा। उन्होंने कहा कि लड़कियाँ बोझ नहीं होतीं। बेटे को शिक्षित करने से सिर्फ एक लडक़ा शिक्षित होता है किन्तु एक बेटी को शिक्षित करने से पूरा समाज शिक्षित होता है।

राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी दीक्षा बहन ने कहा कि महिलाओं को पाश्चात्य संस्कृति का अन्धानुकरण नहीं करना चाहिए बल्कि अपने जीवन में भौतिकता और आध्यात्मिकता का सन्तुलन बनाकर चलना चाहिए। स्वतंत्रता का मतलब स्वच्छंदता नहीं है।

प्रेषक: मीडिया प्रभाग,
प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
विश्व शान्ति भवन, चौबे कालोनी, रायपुर
फोन: ०७७१-२२५३२५३

choubeycolony.ryp@bkivv.org